हिंदी व्याकरण मेघना-8

1. भाषा, व्याकरण और लिपि

क. सही उत्तर पर (3) का चिह्न लगाइए–

1. तुलसीदास किस भाषा के कवि थे?
   (अ) अवधी [3] (ब) ब्रज [ ] (स) खड़ी बोली [ ] (द) मैथिली [ ]
2. इनमें से अंतर्राष्ट्रीय भाषा कौन-सी है?
   (अ) हिंदी [ ] (ब) संस्कृत [ ] (स) गुजराती [ ] (द) अंग्रेज़ी [3]
3. हिंदी दिवस कब मनाया जाता है?
   (अ) 14 अगस्त [ ] (ब) 14 नवंबर [ ] (स) 14 सितंबर [3] (द) 26 जनवरी [ ]
4. इनमें से महादेवी वर्मा की रचना कौन-सी है?
   (अ) यामा [3] (ब) कामायनी [ ] (स) कुरुक्षेत्र [ ] (द) साकेत [ ]

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. भाषा वह माध्यम है, जिसके द्वारा हम बोलकर, सुनकर, लिखकर या पढ़कर अपने भावों या विचारों का आदान-प्रदान करते हैं।
2. मौखिक और लिखित भाषा में अंतर–
   1. मौखिक भाषा प्राचीनतम है। यह भाषा का मूल रूप है। लिखित भाषा का विकास बाद में हुआ।
   2. मौखिक भाषा बच्चा आस-पास के वातावरण से स्वयं सीख जाता है। लिखित भाषा सीखने के लिए विशेष प्रयास किया जाता है।
   3. भाषा का मौखिक रूप बदलता रहता है, जबकि लिखित रूप स्थायी रहता है।
3. भाषा के क्षेत्रीय रूप को बोली कहते हैं। पश्चिमी हिंदी की दो बोलियों के नाम निम्न हैं–
   1. ब्रज 2. खड़ी बोली
4. भाषा की ध्वनियों को जिन लेखन-चिह्नों के द्वारा प्रकट किया जाता है, उन्हें लिपि कहते हैं।
5. व्याकरण वह शास्त्र है, जिसके द्वारा हम किसी भी भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान प्राप्त करते हैं। व्याकरण के कुछ लाभ इस प्रकार हैं–
   1. व्याकरण भाषा को नियमित और व्यवस्थित रखना सिखाता है।
   2. व्याकरण भाषा को शुद्ध तथा परिमार्जित बनाता है।

ग. सही शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. ध्वनि के चिह्नों के लिखने के ढंग को **लिपि** कहते हैं।
2. अंग्रेज़ी की लिपि **रोमन** है।
3. भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान कराने वाला शास्त्र **व्याकरण** कहलाता है।
4. भाषा के क्षेत्रीय रूप को **बोली** कहते हैं।
5. देवनागरी लिपि का विकास **ब्राह्मी** लिपि से हुआ।

घ. निम्नलिखित भाषाओं की लिपि लिखिए–

हिंदी – **देवनागरी** अंग्रेजी – **रोमन** पंजाबी – **गुरुमुखी**

उर्दू – **फारसी** नेपाली – **देवनागरी**

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

2. वर्ण विचार

क. सही उत्तर पर (3) का चिह्न लगाइए–

1. जिन स्वरों के उच्चारण में एक मात्रा काल का समय लगता है, वे क्या कहलाते हैं?
   (अ) ह्रस्व [3] (ब) दीर्घ [ ] (स) प्लुत [ ] (द) अंतःस्थ [ ]
2. इनमें से अंतःस्थ व्यंजन कौन-से हैं?
   (अ) क्, च्, ट्, त्, प् [ ] (ब) य्, र्, ल्, व् [3]
   (स) श्, ष्, स्, ह् [ ] (द) क्, ख्, ग्, घ्, ङ् [ ]
3. स्वरों की संख्या कितनी है?
   (अ) दस [ ] (ब) बारह [ ] (स) नौ [ ] (द) ग्यारह [3]
4. दो समान व्यंजनों के मेल से बने व्यंजन क्या कहलाते हैं?
   (अ) अंतःस्थ [ ] (ब) संयुक्त व्यंजन [ ]
   (स) द्वित्व व्यंजन [ ] (द) ऊष्म [3]
5. श्, ष्, स्, ह् कौन-से व्यंजन हैं?
   (अ) अंतःस्थ [ ] (ब) ऊष्म [ ] (स) अयोगवाह [3] (द) स्पर्श [ ]

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. वर्ण भाषा की वह सबसे छोटी इकाई है, जिसके और टुकड़े नहीं हो सकते।
   वर्णों के दो भेद होते हैं– 1. स्वर 2. व्यंजन
2. जिन वर्णों का उच्चारण बिना किसी अन्य ध्वनि की सहायता के होता है, उन्हें स्वर कहते हैं।
   उच्चारण के आधार पर स्वर के निम्नलिखित तीन भेद होते हैं–
   1. ह्रस्व स्वर 2. दीर्घ स्वर 3. प्लुत स्वर
3. जिन वर्णों के उच्चारण में स्वरों की सहायता ली जाती है, उन्हें व्यंजन कहते हैं।
   व्यंजनों का वर्गीकरण– व्यंजनों को मुख्य रूप से तीन श्रेणियों में बाँटा गया हैं–
   1. स्पर्श व्यंजन 2. अंतःस्थ व्यंजन 3. ऊष्म व्यंजन
4. अनुस्वार व अनुनासिक में निम्न अन्तर हैं–
   अनुस्वार– अनुस्वार व्यंजन ध्वनि है। इसका उच्चारण करते समय ध्वनि केवल नाक से निकलती है। इसका चिह्न बिंदु (ं) है। प्रत्येक वर्ग का पाँचवाँ वर्ण अनुस्वार होता है; जैसे– गङ्गा – गंगा, कञ्चन – कंचन, घण्टा – घंटा, दन्त – दंत, पम्प (ं) पंप। यह जिस स्वर के पश्चात् आता है, उसी के ऊपर लगता है।

अनुनासिक– अनुनासिक का उच्चारण मुँह और नाक से होता है। यह स्वर का गुण है। इसका चिह्न चंद्रबिंदु (ँ) है; जैसे– चाँद, गाँव आदि।

5. किसी शब्द के एक-एक स्वर और व्यंजन को क्रम से अलग-अलग करके लिखना ही वर्ण-विच्छेद कहलाता है; जैसे–

   सरोज– स् + अ + र् + ओ + ज् + अ नर्तक– न् + अ + र् + त् + अ + क् + अ

6. बलाघात शब्द 'बल' और 'आघात' शब्दों के मेल से बना है। भाव अथवा विचार प्रकट करने के लिए बोलते समय किसी शब्द पर बल देना बलाघात कहलाता है। इससे वक्ता के कथन में विशेषता आ जाती है; जैसे–

   • मैं लखनऊ से अभी आया हूँ।

   यहाँ 'अभी' शब्द पर बलाघात करते हुए बोला गया है। इससे आने के समय का बोध कराया गया है।

ग. दिए गए शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार या अनुनासिक (जो उचित हो) लगाकर सामने लिखिए–

चदन – **चंदन** अतर – **अंतर** चादनी – **चाँदनी**

सतरा – **संतरा** छाव – **छाँव** साप – **साँप**

घ. अनुस्वार और अनुनासिक के प्रयोग वाले पाँच-पाँच शब्द लिखिए–

1. अनुस्वार – **गंगा कंचन घंटा अंतर दंत**
2. अनुनासिक – **चाँद गाँव साँप बाँस धुआँ**

ङ. दिए गए शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए–

रक्षक – **र् + अ + क् + श् + अ + क् + अ**

ज्ञानी – **ज् + ञ् + आ + न् + अ + ई**

परिक्रमा – **प् + अ + र् + इ + क् + र् + म् + आ**

हस्ताक्षर – **ह् + अ + स् + त् + आ + क् + श् + अ + र् + अ**

स्वयं करें।

3. संधि

क. सही के सामने पर (३) का चिह्न लगाइए–

1. नीरव – (अ) निर + व ☐ (ब) नी + रव ☐ (स) नि + रव ☐ (द) निः + रव ☒3
2. पावक– (अ) पो + अक ☐ (ब) पा + वक ☐ (स) पौ + अक ☒3 (द) पाव + अक ☐
3. सद्भाव– (अ) सत् + भाव ☒3 (ब) सद् + भाव ☐ (स) सत+ भाव ☐ (द) सद + भाव ☐
4. सदैव – (अ) सत् + एव ☐ (ब) सदा + एव ☒3 (स) सद + एव ☐ (द) सदा + इव ☐
5. वर्षर्तु – (अ) वर्ष + तु ☐ (ब) वर्ष + ऋतु ☐ (स) वर् + षर्तु ☐ (द) वर्षा + ऋतु ☒3

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. दो वर्णों के परस्पर मेल से होने वाले परिवर्तन को संधि कहतें हैं।
2. संधि के तीन भेद होते हैं– 1. स्वर संधि 2. व्यंजन संधि 3. विसर्ग संधि
3. स्वर संधि के पाँच भेद होते हैं। ये निमन हैं–
   1. दीर्घ संधि 2. गुण संधि 3. वृद्धि संधि 4. यण संधि 5. अयादि संधि
4. **विसर्ग संधि–**विसर्ग के बाद स्वर या व्यंजन आने पर उनमें जो परिवर्तन होता है, उसे विसर्ग संधि कहते हैं; जैसे– • निः + तेज = निस्तेज • दुः + उपयोग = दुरुपयोग
   व्यंजन संधि–किसी व्यंजन के बाद कोई स्वर या व्यंजन आने पर जो परिवर्तन होता है, उसे व्यंजन संधि कहते हैं; जैसे–
   • वाक् + ईश = वागीश • सत् + जन = सज्जन

ग. संधि-विच्छेद कीजिए तथा संधि-भेद (स्वर, व्यंजन, विसर्ग) लिखिए–

	संधि-विच्छेद	संधि-भेद		संधि-विच्छेद	संधि-भेद
1. एकैक –	**एक + एक**	**वृद्धि संधि**	2. सूक्ति –	**सु + उक्ति**	**दीर्घ संधि**
3. दिग्गज –	**दिक् + गज**	**व्यंजन संधि**	4. दयोर्मि –	**दया + ऊर्मि**	**गुण संधि**
5. दुश्चरित्र–	**दुस् + चरित्र**	**विसर्ग सन्धि**			

घ. दिए गए शब्दों में संधि कीजिए–

1. अति	+ अधिक	=	**अत्यधिक**	2. सत्	+ चरित्र	=	**सच्चरित्र**
3. सत्	+ जन	=	**सज्जन**	4. इति	+ आदि	=	**इत्यादि**
5. उत्	+ श्वास	=	**उच्छवास**	6. एक	+ एक	=	**एकैक**
7. यथा	+ एव	=	**यथैव**	8. पर	+ उपकार	=	**परोपकार**
9. यथा	+ इष्ट	=	**यथेष्ट**	10. उत्	+ नति	=	**उन्नति**

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

4. शब्द-विचार

क. शब्दों के सही प्रकार के सामने सही (३) का चिह्न लगाइए–

1. रिक्शा
   (अ) पुर्तगाली ☐ (ब) जापानी ☒3 (स) चीनी ☐ (द) अंग्रेज़ी ☐
2. कॉलेज
   (अ) पुर्तगाली ☐ (ब) अंग्रेज़ी ☒3 (स) जापानी ☐ (द) चीनी ☐

3. नीलकंङ्ग

(अ) रूढ़ ☐ (ब) यौगिक ☐

(स) योगरूढ़ ☒3 (द) इनमें से कोई नहीं ☐

4. धर्मशाला

(अ) रूढ़ ☐ (ब) यौगिक ☒3

(स) योगरूढ़ ☐ (द) इनमें से कोई नहीं ☐

5. भ्रमर

(अ) तत्सम ☒3 (ब) तद्भव ☐ (स) देशज ☐ (द) विदेशी ☐

6. अखबार

(अ) चीनी ☐ (ब) फ़ारसी ☒3 (स) देशज ☐ (द) तद्भव ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. वर्णों के मेल से बना सार्थक ध्वनि-समूह शब्द कहलाता है।
2. शब्दों का वर्गीकरण मुख्य रूप से चार आधारों पर किया जाता है–

   1. रचना या बनावट के आधार पर
   2. उत्पत्ति या स्रोत के आधार पर
   3. अर्थ के आधार पर
   4. प्रयोग या व्याकरणिक प्रकार्य के आधार पर

3. दस रूढ़ शब्द हैं– मुख, पास, चल, बात, आग, गुण, सरल, कठिन, किताब, राजा।
4. यौगिक व योगरूढ़ शब्द में निम्न अन्तर हैं–

   यौगिक शब्द– जो शब्द एक से अधिक शब्दों या शब्दांशों के योग से बनते हैं, वे यौगिक शब्द कहलाते हैं। यौगिक शब्दों के खंड किए जा सकते हैं। यौगिक शब्दों की रचना तीन प्रकार से की जा सकती है–

   (अ) दो मूल शब्दों के योग से–

   • मातृ + भक्ति = मातृभक्ति • सेना + पति = सेनापति

   (ब) मूल शब्द में किसी प्रत्यय का प्रयोग करके–

   • धन + वान = धनवान • ईमानदार + ई = ईमानदारी

   (स) मूल शब्द से पहले किसी उपसर्ग का प्रयोग करके–

   • अप + मान = अपमान • स्व + राज्य = स्वराज्य

   योगरूढ़ शब्द– 'योगरूढ़' शब्द दो शब्दों के योग से बना है– योग + रूढ़ अर्थात् जिन यौगिक शब्दों के अर्थ किसी तीसरे अर्थ के लिए रूढ़ हो जाते हैं, उन्हें योगरूढ़ शब्द कहते हैं; जैसे– नीरज – नीर + ज (पानी में जन्म लेने वाला)

   पानी में अनेक जीव भी जन्म लेते हैं, परंतु यह शब्द 'कमल' के लिए रूढ़ है।

   अन्य उदाहरण–

एक + दंत = एकदंत (गणेश)	पंक + ज = पंकज (कमल)
दश + आनन = दशानन (रावण)	हिम + आलय = हिमालय (पर्वत विशेष)

5. विकारी शब्द व अविकारी शब्दों में निम्न अंतर हैं–

   विकारी शब्द– ऐसे शब्द जो लिंग, वचन, कारक, काल, वाच्य आदि के कारण बदल जाते हैं, वे विकारी शब्द कहलाते हैं; जैसे–

(बच्चा, बच्ची, बच्चे), (मैं, हम, मुझे, मेरा), (हरा, हरी, हरे), (खेला, खेले, खेलेगा) आदि।

संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया विकारी शब्द हैं।

अविकारी शब्द– ऐसे शब्द जिनमें लिंग, वचन, कारक, काल आदि के कारण कोई बदलाव नहीं आता, वे अविकारी शब्द कहलाते हैं; जैसे– आज, कल, इधर, वहाँ, यहाँ, और, तथा, लेकिन आदि।

क्रियाविशेषण, संबंधबोधक, समुच्च्यबोधक, विस्मयादिबोधक तथा निपात अविकारी शब्द हैं।

ग. निम्नलिखित शब्दों को सही शीर्षक के नीचे लिखिए–

तत्सम	तद्भव	देशज	विदेशी
कार्य	कोयल	लकड़ी	कालेज
धैर्य	खेत	खिड़की	स्कूल
नासिका	पलंग	पगड़ी	मिनट
दंड	कान	पेट	दफ्तर

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

5. शब्द-भंडार

1. पर्यायवाची या समानार्थी शब्द

क. वाक्य में प्रयुक्त रंगीन शब्द के सही पर्यायवाची के सामने सही (3) का चिह्न लगाइए–

1. आज मेहमान आने वाले हैं।
   (अ) चमन ☐ (ब) गगन ☐ (स) अतिथि ☒ (द) नीरज ☐
2. पंकज कीचड़ में खिलता है।
   (अ कमल ☒ (ब) भागीरथी ☐ (स) चंद्रिका ☐ (द) कौमुदी ☐
3. घोड़ा बहुत तेज दौड़ता है।
   (अ) नभ ☐ (ब) घोटक ☒ (स) मानव ☐ (द) नृप ☐
4. कभी गुस्सा नहीं करना चाहिए।
   (अ) क्षीर ☐ (ब) जल ☐ (स) क्रोध ☒ (द) पय ☐
5. हमने नाव से नदी पार की।
   (अ) देवनदी ☐ (ब) मंदाकिनी ☐ (स) नौका ☒ (द) ध्वजा ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. समान अर्थ देने वाले शब्दों को पर्यायवाची या समानार्थी शब्द कहते हैं; जैसे– अग्नि, पावक, अनल, जल, पानी, नीर आदि।
2. सूर्य को हम भानु, रवि, दिनकर के नाम से भी पुकार सकते हैं।
3. 'अमृत' शब्द के तीन समानार्थी शब्द हैं–सोम, सुधा, अभिय।

ग. दिए गए शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

1.	अश्व –	**हय**	**घोटक**	2.	भौंरा –	**भ्रमर**	**भृंग**
3.	इंद्र –	**सुरेश**	**महेंद्र**	4.	सूर्य –	**रवि**	**दिनकर**
5.	दिन –	**वार**	**वासर**	6.	पृथ्वी –	**धरा**	**वसुधा**
7.	कपड़ा –	**वस्त्र**	**वसन**	8.	पेड़ –	**तरु**	**वृक्ष**

स्वयं करें।

2. विपरीतार्थक या विलोम शब्द

क. दिए गए शब्दों के सही विलोम शब्द के सामने सही (3) का चिह्न लगाइए–

1. कृतज्ञ – (अ) कायर ☐ (ब) कृतघ्न ☒ (स) दुर्जन ☐ (द) असभ्य ☐
2. उष्ण – (अ) आर्द्र ☐ (ब) गरमी ☐ (स) शीत ☒ (द) दीर्घ ☐
3. आलसी – (अ) कनिष्ठ ☐ (ब) परिश्रमी ☒ (स) अज्ञानी ☐ (द) निरामिष ☐
4. आयात – (अ) प्रदान ☐ (ब) आरोह ☐ (स) निर्यात ☒ (द) आदान ☐
5. कायर – (अ) वीर ☒ (ब) वाचाल ☐ (स) शत्रु ☐ (द) चेतन ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. एक-दूसरे के विपरीत अर्थ देने वाले शब्दों को विलोम शब्द कहते हैं।
2. किसी शब्द का विलोम शब्द लिखते हुए यह ध्यान रखना चाहिए कि तत्सम शब्द का विलोम तत्सम तथा तद्भव शब्द का विलोम तद्भव में ही हो।
3. निरक्षर का विलोम साक्षर व निरर्थक का विलोम सार्थक होगा।

ग. रंगीन शब्दों के विलोम शब्द लिखकर वाक्य पूरे कीजिए–

1. मैं शाकाहारी हूँ **माँसाहारी** नहीं।
2. गुणों की संख्या बढ़ाओ **अवगुणों** की नहीं।
3. यह रास्ता देखने में सुगम लग रहा था लेकिन है **दुर्गम**।
4. हमारी कक्षा के सब छात्र उत्तीर्ण हैं, कोई भी **अनुत्तीर्ण** नहीं है।
5. बर्फ़ ठोस होती है और पानी **द्रव**।

स्वयं करें।

3. अनेकार्थी शब्द

क. वाक्य में प्रयुक्त रंगीन शब्द के सही अर्थ के सामने सही (3) का चिह्न लगाइए–

1. वह शतरंज में हार गया।
   (अ) पत्थर ☐ (ब) पराजय ☒ (स) माला ☐ (द) धन ☐

2. सोना बहुत महँगा है।

(अ) स्वर्ण [3] (ब) शयन [ ] (स) जीत [ ] (द) हीरा [ ]

3. वर तैयार था।

(अ) वरदान [ ] (ब) श्रेष्ठ [ ] (स) दूल्हा [3] (द) रंग [ ]

4. बच्चे ताल में तैरने गए।

(अ) तालाब [3] (ब) लय [ ] (स) सुर [ ] (द) तान [ ]

5. पक्षियों का दल बड़ी तेज़ी से उड़ रहा था।

(अ) सेना [ ] (ब) पत्ता [ ] (स) समूह [3] (द) खंड [ ]

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. हिंदी भाषा में कुछ शब्द एक से अधिक अर्थों में प्रयोग किए जाते हैं। उन्हें अनेकार्थी शब्द कहते हैं; जैसे–

   परीक्षा में मेरे अंक कम आए। माँ ने पुत्र को अंक में छिपा लिया।

2. मद के दो अन्य अर्थ– गर्व, कस्तूरी।

ग. दिए गए शब्दों के भिन्न-भिन्न अर्थ वाक्यों द्वारा स्पष्ट कीजिए–

1.	पत्र	**चिट्ठी**	**नितिन ने अपने मित्र को पत्र लिखा।**
		पत्ता	**वृक्ष से पत्ते गिरते हैं।**
2.	तीर	**बाण**	**बाण का प्रयोग युद्ध में किया जाता है।**
		किनारा	**नदी का किनारा हमसे दूर था।**
3.	कर	**टैक्स**	**सरकार कर्मचारियों से टैक्स लेती है।**
		हाथ	**वह हाथों से लिखता है।**
4.	मत	**राय**	**इस विषय में उसकी राय सकारात्मक थी।**
		संप्रदाय	**साम्प्रदायिक मुद्दे को शान्ति से हल करना चाहिए।**
5.	अंबर	**वस्त्र**	**वह स्वच्छ वस्त्र पहनता है।**
		आकाश	**आकाश में पक्षी उड़ते हैं।**

घ. दिए गए शब्दों के दो-दो अर्थ लिखिए–

कर —	**टैक्स**	**हाथ**	अर्क —	**सूर्य**	**रस**
गति —	**मोक्ष**	**चाल**	पतंग —	**पक्षी**	**गेंद**
दंड —	**सजा**	**व्यायाम का एक भेद**	अंतर —	**शेष**	**दूरी**

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

4. श्रुतिसम-भिन्नार्थक शब्द

क. दिए गए वाक्यों की पूर्ति हेतु सही शब्द के सामने सही (3) का चिह्न लगाइए–

1. सभी घटनास्थल पर **अविलंब** पहुँचे।
   (अ) अवलंब ☐ (ब) अविलंब ☒ (स) आलंब ☐ (द) आलंबन ☐
2. सरोवर में **हंस** विहार कर रहे हैं।
   (अ) हँस ☐ (ब) हंसी ☐ (स) हँसी ☐ (द) हंस ☒
3. इस बात का क्या **प्रमाण** है?
   (अ) प्रणम ☐ (ब) प्रमाण ☒ (स) प्रणाम ☐ (द) प्रमण ☐
4. मेरा **लक्ष्य** एक योग्य चिकित्सक बनना है।
   (अ) लक्ष ☐ (ब) लाक्ष ☐ (स) लक्ष्य ☒ (द) लाक्षा ☐
5. सभा में कवियों का **सम्मान** किया गया।
   (अ) समान ☐ (ब) सम्मान ☒ (स) सामान ☐ (द) संबंध ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. कुछ शब्द सुनने या पढ़ने में समान से लगते हैं, परंतु उनके अर्थ में कुछ अंतर होता है। ऐसे शब्द श्रुतिसम-भिन्नार्थक शब्द कहलाते हैं।
2. ग्रह का अर्थ नक्षत्र व गृह का अर्थ घर होता है।

ग. रंगीन शब्दों को बदलकर निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए–

1. उसने तलवार से शत्रु पर प्रहार किया।
2. उसके घाव से रक्त निकल रहा था।
3. मंदिर के कपाट प्रातः पाँच बजे खुलते है।
4. वह सेठ करोड़पति है।
5. वह उदर रोग से पीड़ित है।

घ. दिए गए शब्दों के अर्थ लिखिए और वाक्य-प्रयोग द्वारा उनका अंतर स्पष्ट कीजिए–

1. (अ) शाम – **संध्या** — **आज शाम बारिश होने की संभावना है।**
   (ब) श्याम – **सावला** — **श्री कृष्ण श्याम वर्ण के थे।**
2. (अ) अचल – **पर्वत** — **हिमालय एक विशाल अचल है।**
   (ब) अचला – **पृथ्वी** — **अचला पर जैव विविधता पाई जाती है।**
3. (अ) आयत – **चौकोर** — **आयत का क्षेत्रफल लंबाई और चौड़ाई का गुणनफल होता है।**
   (ब) आयात – **विदेशों से मँगवाना** — **पेट्रोल विदेशों से आयात किया जाता है।**

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

5. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

क. दिए गए शब्दों के लिए सही वाक्यांश के सामने सही (3) का चिह्न लगाइए–

1. अल्पज्ञ
   (अ) जो सब जानता हो ☐ (ब) जो बहुत कम जानता हो ☒
   (स) जो कुछ नहीं जानता हो ☐ (द) जो अज्ञानी हो ☐

2. नास्तिक

(अ) जो ईश्वर को न माने ☒ (ब) जो ईश्वर की पूजा करे ☐

(स) जो ईश्वर को माने ☐ (द) जो कभी न जाने ☐

3. दूरदर्शी

(अ) दूर की सोचने वाला ☒ (ब) थोड़ा समझने वाला ☐

(स) कमज़ोर नज़र वाला ☐ (द) दूर तक देखने वाला ☐

4. सार्थक

(अ) जिसका कोई अर्थ न हो ☐ (ब) जो कभी अर्थ न दे ☐

(स) जिसका कोई अर्थ हो ☒ (द) जो अर्थ का ज्ञान न दे ☐

5. निशाचर

(अ) रात में जागने वाला ☒ (ब) रात में घूमने वाला ☐

(स) रात में खाने वाला ☐ (द) दिन में घूमने वाला ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द को वाक्यांश के लिए एक शब्द भी कहते हैं।
2. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द का प्रयोग करने से भाषा में कसावट आती है और उसका सौंदर्य भी बढ़ता है।
3. जो मांस खाता है उसे मांसाहारी कहते हैं।

ग. रंगीन वाक्यांश के लिए उचित एक शब्द लिखकर वाक्य पुनः लिखिए–

1. हस्तलिखित 2. रचनाकार 3. जिज्ञासु
4. नास्तिक 5. निरर्थक

घ. निम्नलिखित अनेक शब्दों के लिए एक-एक शब्द लिखिए–

1. आविष्कार 2. सदाचारी 3. निराकार
4. सर्वज्ञ 5. लाइलाज

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

6. एकार्थक प्रतीत होने वाले या सूक्ष्मभिन्नार्थक शब्द

क. निम्नलिखित शब्दों के सही अर्थ के सामने सही (☒) का चिह्न लगाइए–

1. आचरण

(अ) खाने-पीने का ढंग ☐ (ब) दूसरों के प्रति किया गया बर्ताव ☐

(स) चाल-चलन और रहन-सहन ☒ (द) अपने लिए किया गया कार्य ☐

2. प्रयास

(अ) साधारण प्रयत्न ☒ (ब) क्रियाशील रहना ☐

(स) परिश्रम करना ☐ (द) मेहनती होना ☐

3. अवस्था

(अ) जीवन ☐ (ब) पूरा जीवन ☐

(स) एक विशेष स्थिति ☐ (द) जीवन का एक भाग ☑ 3

4. भेंट

(अ) छोटे भाई को देना ☐ (ब) बड़ों को देना ☑ 3

(स) मित्र को देना ☐ (द) छोटों को देना ☐

5. निधन

(अ) आम आदमी की मौत ☐ (ब) धन रहित ☐

(स) सम्मानित व्यक्ति की मौत ☑ 3 (द) निधि प्राप्त होना ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. कुछ शब्द देखने में समान प्रतीत होते हैं, परंतु उनके अर्थ में पर्याप्त अंतर होता है। ऐसे शब्द एकार्थक प्रतीत होने वाले या सूक्ष्मभिन्नार्थक शब्द कहलाते हैं।

2. • स्त्री– कोई भी महिला।
भजन समारोह में उस स्त्री ने अच्छा भजन गाया।

• किसी की विवाहिता
रामचंद्र जी की पत्नी का नाम सीता था।

3. 'भम्रण' व 'पर्यटन' में निम्न अंतर है–

भ्रमण– भ्रमण का अर्थ घूमने, फिरते और टहलने से है।

पर्यटन– पर्यटन से आशय घूमने की इच्छा से देश-विदेश जाने से है।

ग. कोष्ठक में दिए गए गए उचित शब्द से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. एवरेस्ट की चढ़ाई **दुर्गम** है।
2. हैजा एक **व्याधि** है।
3. रामचरितमानस तुलसीदास द्वारा रचित **ग्रंथ** है।
4. **सम्राट** विक्रमादित्य बहुत पराक्रमी थे।।
5. श्रीकृष्ण ने नरकासुर का **वध** किया।

घ. दिए गए शब्दों का अंतर वाक्य-प्रयोग द्वारा स्पष्ट कीजिए–

1. (अ) अनुसंधान – **प्रयोगशाला में वैज्ञानिक अनुसंधान कार्य करते हैं।**
   (ब) आविष्कार – **रेडिया का आविष्कार गुग्लिल्मो मार्कोनी ने किया था।**
2. (अ) अवसर – **मेहमानों के जाते ही मुकुल को पढ़ने का अवसर मिल गया।**
   (ब) अवकाश – **रविवार को बैंक का अवकाश रहता है।**
3. (अ) अस्त्र – **बलराम का अस्त्र हल था।**
   (ब) शस्त्र – **महाभारत के युद्ध में सेना शस्त्रों से सुसज्जित थी।**
4. (अ) तृप्ति – **जल पीकर उसकी तृप्ति हो गयी।**
   (ब) संतोष – **सादगी से जीवन जीकर व्यक्ति शांति और संतोष पा सकता है।**

स्वयं करें।

6. शब्द-निर्माण– उपसर्ग और प्रत्यय

उपसर्ग

क. सही उत्तर पर (3) का चिह्न लगाइए–

1. इनमें से किस शब्द में 'सम्' उपसर्ग है?
   (अ) समान ☐ (ब) सम्मान [3] (स) सामान ☐ (द) सामवेद ☐
2. इनमें से किस शब्द में 'बे' उपसर्ग नहीं है?
   (अ) बेकाबू ☐ (ब) बेकसूर ☐ (स) बेईमान ☐ (द) बेल [3]
3. इनमें से किस शब्द में 'परा' उपसर्ग नहीं है?
   (अ) पराजय ☐ (ब) पराभव ☐ (स) पराग [3] (द) पराक्रम ☐
4. इनमें से किस शब्द में 'हम' उपसर्ग नहीं है?
   (अ) हमेशा [3] (ब) हमसफ़र ☐ (स) हमउम्र ☐ (द) हमवतन ☐
5. इनमें से किस शब्द में 'प्र' उपसर्ग है?
   (अ) प्रतिदिन ☐ (ब) प्रतिवर्ष ☐ (स) प्रगति [3] (द) प्रतिकूल ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. जो शब्द बिना किसी उपसर्ग या प्रत्यय के योग से बनते हैं, वे मूल शब्द कहलाते हैं। इन्हें रूढ़ शब्द भी कहते हैं। इनके अंशों को विभक्त नहीं किया जा सकता।
2. मूल शब्द में कुछ उपसर्ग या प्रत्यय या दोनों लगाकर जिन नए शब्दों का निर्माण किया जाता है, वे व्युत्पन्न शब्द कहलाते हैं; जैसे–

उपसर्ग	**मूल शब्द**	**व्युत्पन्न शब्द**	**मूल शब्द**	**प्रत्यय**	**व्युत्पन्न शब्द**
उप	+ कार	= उपकार	मानव	+ ता	= मानवता

3. शब्द-निर्माण प्रक्रिया तीन प्रकार से होती है– 1. उपसर्ग से 2. प्रत्यय से 3. समास से।
4. उपसर्ग वे शब्दांश होते हैं, जो किसी शब्द के पहले लगकर उसके अर्थ में परिवर्तन ला देते हैं।
5. उपसर्ग शब्दांश होते हैं, शब्द नहीं। ये शब्द के पहले ही लगते हैं।

ग. निम्नलिखित उपसर्गों से दो-दो शब्द बनाइए–

1. सु – **सुजान** **सुडौल** 2. परि – **परिचय** **परिवर्तन**
3. कु – **कुचक्र** **कुपोषण** 4. उत् – **उत्कर्ष** **उन्नति**
5. सह – **सहकर्मी** **सहयोगी** 6. दुस् – **दुस्साहस** **दुश्चेष्टा**

घ. निम्नलिखित शब्दों से मूल शब्द और उपसर्ग अलग-अलग कीजिए–

1. लापरवाह – **ला** + **परवाह** 2. खुशनसीब – **खुश** + **नसीब**
3. भरसक – **भर** + **सक** 4. लावारिस – **ला** + **वारिस**
5. चौमासा – **चौ** + **मासा** 6. समकालीन – **सम** + **कालीन**

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

प्रत्यय

क. मूल शब्द और प्रत्यय के योग से बने सही (३) का चिह्न लगाइए–

1. सास + आल
   (अ) सासाल ☐ (ब) ससाआल ☐ (स) सासआल ☐ (द) ससुराल ☒3
2. सोना + आर
   (अ) सोनार ☐ (ब) सुनार ☒3 (स) सौनार ☐ (द) सूनार ☐
3. लठ + ऐत
   (अ) लठैत ☒3 (ब) लठेत ☐ (स) लठित ☒3 (द) लठीत ☐
4. मीठा + आस
   (अ) मीठास ☐ (ब) मिठस ☐ (स) मिठास ☒3 (द) मीठाआस ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. जो शब्दांश किसी शब्द के अंत में जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन या विशेषता ला देते हैं, वे प्रत्यय कहलाते हैं।
2. प्रत्यय दो प्रकार के होते हैं– 1. कृत् प्रत्यय 2. तद्धित प्रत्यय
3. जो प्रत्यय संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण या अव्यय शब्दों के अंत में लगकर नए शब्दों का निर्माण करते हैं, वे तद्धित प्रत्यय कहलाते हैं; जैसे–

   संज्ञा – सोना + आर = सुनार सर्वनाम – अपना + पन = अपनापन
   विशेषण – अच्छा + आई = अच्छाई अव्यय – ऊपर + ई = ऊपरी

ग. दिए गए प्रत्ययों से शब्द बनाइए–

1. गा → **अक = गायक**, **इका = गायिका**
2. निंद → **अनीय = निंदनीय**, **इत = निंदित**
3. चतुर → **आई = चतुराई**, **ता = चतुरता**
4. लिख → **आवट = लिखावट**, **आई = लिखाई**

घ. दिए गए शब्दों से मूल शब्द और दो प्रत्यय अलग-अलग कीजिए–

रिश्वतखोरी – **रिश्वत + खोर + ई** दयालुता – **दया + आलु + ता**
समझदारी – **समझ + दार + ई** भारतीयता – **भारत + ईय + ता**
सूदखोर – **सूद + खोर + अ** दिखावटी – **दिखा + वट + ई**
जिल्दसाज़ी – **जिल्द + साज + ई** बुद्धिमानी – **बुद्धि + मान + ई**

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

समास

क. सही उत्तर पर (3) का चिह्न लगाइए–

1. जिस समस्त पद में पहला पद अव्यय हो, उसे क्या कहते हैं?
   (अ) द्वंद्व समास ☐ (ब) अव्ययीभाव समास [3]
   (स) तत्पुरुष समास ☐ (द) द्विगु समास ☐
2. जिस समस्त पद में किसी विभक्ति का लोप हो, उसे क्या कहते हैं?
   (अ) तत्पुरुष समास [3] (ब) बहुव्रीहि समास ☐
   (स) द्वंद्व समास ☐ (द) द्विगु समास ☐
3. जिस समस्त पद में किसी अन्य पद की विशेषता बताई जाए, उसे क्या कहते हैं?
   (अ) कर्मधारय समास ☐ (ब) अव्ययीभाव समास ☐
   (स) द्वंद्व समास ☐ (द) बहुव्रीहि समास [3]
4. जिस समस्त पद में पहला पद संख्यावाची होकर समूह का बोध कराए, उसे क्या कहते हैं?
   (अ) द्विगु समास [3] (ब) तत्पुरुष समास ☐
   (स) द्वंद्व समास ☐ (द) कर्मधारय समास ☐
5. जिस समस्त पद में विशेषण-विशेष्य का संबंध हो, उसे क्या कहते हैं?
   (अ) तत्पुरुष समास ☐ (ब) अव्ययीभाव समास ☐
   (स) कर्मधारय समास [3] (द) द्वंद्व समास ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. दो या दो से अधिक पदों (शब्दों) के मेल से नया सार्थक शब्द बनाने की प्रक्रिया को समास कहते हैं।
2. अर्थ के आधार पर समास के छह भेद होते हैं–
   1. अव्ययीभाव समास 2. तत्पुरुष समास 3. कर्मधारय समास
   4. द्विगु समास 5. द्वंद्व समास 6. बहुव्रीहि समास
3. कर्मधारय समास और बहुव्रीहि समास में अंतर–
   कर्मधारय समास में पूर्व पद विशेषण या उपमान और दूसरा पद विशेष्य या उपमेय होता है, जबकि बहुव्रीहि समास में समस्त पदों को छोड़कर अन्य तीसरा अर्थ प्रधान होता है; जैसे–
   - घनश्याम – घन के समान श्याम – कर्मधारय समास
     घन के समान श्याम (काला) है जो (कृष्ण) – बहुव्रीहि समास
   - महावीर – घन के समान श्याम – कर्मधारय समास
     वीरों में है जो महान (हनुमान) – बहुव्रीहि समास
4. **द्विगु और बहुव्रीहि समास में अंतर–**
   द्विगु समास में पहला पद संख्यावाचक होता है और समस्त पद से एक समूह का बोध होता है, जबकि बहुव्रीहि समास में भी पहला पद संख्यावाचक हो सकता है, पर उसके योग से जो समस्त पद बनता है, वह किसी अन्य पद का बोधक होता है; जैसे–

- त्रिनेत्र – तीन नेत्रों का समूह – द्विगु समास
  तीन हैं नेत्र जिसके (शिव) – बहुव्रीहि समास
- चतुर्भुज – चार भुजाओं का समाहार – द्विगु समास
  चार हैं भुजाएँ जिसकी (विष्णु) – बहुव्रीहि समास

ग. दिए गए पद समूहों से समस्त पद बनाइए तथा समास का नाम लिखिए–

	पद समूह	समस्त पद	समास का नाम
1.	पाँच वटों का समूह	**पंचवटी**	**द्विगु समास**
2.	चार हैं मुख जिनके (ब्रह्मा)	**चतुर्मुख**	**बहुब्रीहि समास**
3.	घन के समान श्याम	**घनश्याम**	**कर्मधारय समास**
4.	परिवार के साथ	**सपरिवार**	**अव्ययीभाव समास**
5.	तुलसी द्वारा कृत	**तुलसीकृत**	**तत्पुरुष समास**

घ. दिए गए वाक्यों में प्रयुक्त रंगीन पद समूह की जगह समस्त पद लिखकर वाक्य पुनः लिखिए–

1. माताजी रसोईघर में है।
2. मदन के पिताजी ने राह के लिए खर्च दिया।
3. इस सरोवर में नीले कमल खिले हैं।
4. मयंक ने परीक्षा के लिए दिन रात मेहनत की।
5. उसने नौ रत्नों की अँगूठी खरीदी।

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

7. संज्ञा

क. सही भाववाचक संज्ञा के सामने सही (३) का चिह्न लगाइए–

1. यह कार्य मैं **सुगमता** से पूरा कर लूँगा।
   (अ) सुगम ☐ (ब) सुगमता ☒3 (स) सौंदर्य ☐ (द) सुगमय ☐
2. **मोटापा** आलस्य की जड़ है।
   (अ) मोटा ☐ (ब) मोटी ☐ (स) मोटू ☐ (द) मोटापा ☒3
3. मुसीबत के समय **धैर्य** से काम लेना चाहिए।
   (अ) धैर्य ☒3 (ब) विचार ☐ (स) दंभ ☐ (द) दुःख ☐
4. साहसी व्यक्ति विपत्ति में कभी **धैर्य** नहीं छोड़ते।
   (अ) जीत ☐ (ब) धैर्य ☒3 (स) हारना ☐ (द) जीतना ☐
5. नेता जी के **नेतृत्व** में जनता खुश है।
   (अ) नेतापन ☐ (ब) नेतागिरी ☐ (स) नेत्रता ☐ (द) नेतृत्व ☒3

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव, दशा या स्थिति के नाम को संज्ञा कहते हैं; जैसे– सुरेश, पुस्तक, मुंबई, नगर, प्रसन्नता, गरीबी, जवानी आदि।
2. **व्यक्तिवाचक संज्ञा का जातिवाचक संज्ञा के रूप में प्रयोग–**

   जब व्यक्तिवाचक संज्ञा से किसी विशेष व्यक्ति का बोध न हो, अपितु उस गुण को रखने वाले सभी व्यक्तियों का बोध हो, तो वह संज्ञा जातिवाचक संज्ञा बन जाती है।

   • विवेक तो पूरा हरिश्चंद्र है। • आज देश में जययंदों की कमी नहीं है।
3. संज्ञा के मुख्य रूप से तीन भेद होते हैं–

   1. **व्यक्तिवाचक सज्ञा–** जो संज्ञा शब्द किसी विशेष व्यक्ति, प्राणी, वस्तु या स्थान के नाम का बोध कराते हैं, वे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहलाते हैं। जैसे–

      • कृष्ण का जन्म मथुरा में हुआ था।

   2. **जातिवाचक संज्ञा–** जो संज्ञा शब्द किसी प्राणी, वस्तु या स्थान की संपूर्ण जाति का बोध कराते हैं, वे जातिवाचक संज्ञा कहलाते हैं। जैसे– • मंत्री ने राजा को फूल दिए।

   3. **भाववाचक संज्ञा–** जो संज्ञा शब्द किसी भाव, दशा, स्थिति, स्वभाव, गुण अथवा विशेषता के नाम का बोध कराते हैं, वे भाववाचक संज्ञा कहलाते हैं।

      • तुम्हारी लिखावट बहुत सुंदर है।
4. भाववाचक संज्ञा प्रेम, घृणा, प्यास, भय, क्रोध आदि शब्दों से बनती हैं।
5. जब भाववाचक संज्ञाओं का प्रयोग बहुवचन में किया जाता है तो वे भाववाचक के स्थान पर जातिवाचक संज्ञाएँ हो जाती हैं; जैसे– • बुराइयों से बचने वाले ही उन्नति करते हैं।

   • ऊँचाइयाँ नापनी हो तो हिमालय को देखो।

   यहाँ 'बुराइयों' तथा 'ऊँचाइयाँ' शब्द जातिवाचक संज्ञा के रूप में प्रयोग किए गए हैं।

ग. दिए गए संज्ञा शब्दों के सामने उनके संज्ञा-भेद लिखिए–

अब्राहम लिंकन	– **व्यक्तिवाचक संज्ञा**	चाँदी	– **व्यक्तिवाचक संज्ञा**
बुढ़ापा	– **भाववाचक संज्ञा**	कक्षा	– **समुदायवाचक संज्ञा**
पर्वत	– **जातिवाचक संज्ञा**	थकान	– **भाववाचक संज्ञा**
गंदगी	– **भाववाचक संज्ञा**	नगर	– **जातिवाचक संज्ञा**
बच्चा	– **जातिवाचक संज्ञा**	भीड़	– **समूहवाचक संज्ञा**

घ. रंगीन शब्दों के स्थान पर भाववाचक संज्ञा शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पुनः लिखिए–

1. गरीबी एक अभिशाप है।
2. दुर्बलता के कारण वह दुखी है।

3. पिताजी व्यर्थ के लेन-देन में विश्वास नहीं करते।

4. अपनी सफलता पर गरिमा फूली न समाई।

5. उनका खान-पान बहुत साधारण है।

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

8. संज्ञा के विकार

लिंग

क. सही उत्तर पर (3) का चिह्न लगाइए–

1. इनमें से कौन-सा शब्द पुल्लिग है?

   (अ) लीची ☐ (ब) कुर्ता 3 (स) चिट्ठी ☐ (द) छतरी ☐

2. इनमें से कौन-सा शब्द नित्य स्त्रीलिंग है?

   (अ) मछली 3 (ब) खरगोश ☐ (स) कौआ ☐ (द) भालू ☐

3. इनमें से कौन-सा शब्द पुल्लिंग नहीं है?

   (अ) हाथ ☐ (ब) पैर ☐ (स) नाक 3 (द) पेट ☐

4. इनमें से कौन-सा शब्द स्त्रीलिंग नहीं है?

   (अ) मोरनी ☐ (ब) कोठी ☐ (स) चाँदी ☐ (द) बैल 3

5. इनमें से कौन-सा शब्द नित्य पुल्लिग है?

   (अ) चीता 3 (ब) मैना ☐ (स) मोर ☐ (द) साँप ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. शब्द के जिस रूप से यह ज्ञात हो कि वह पुरुष जाति का है अथवा स्त्री जाति का, उसे लिंग कहते हैं। जैसे– बालक, बालिका आदि।

2. हिंदी में दो प्रकार के लिंग होते हैं–

   1. **पुल्लिग–** जो शब्द पुरुष जाति का बोध कराते हैं, उन्हें पुल्लिग कहते हैं; जैसे– लड़का, मोर, चाचा, घर आदि।

   2. **स्त्रीलिंग–** जो शब्द स्त्री जाति का बोध कराते हैं, उन्हें स्त्रीलिंग कहते हैं; जैसे– लड़की, मोरनी, चाची, कोठी आदि।

3. अप्राणिवाचक शब्दों के लिंग की पहचान इनके साथ लगने वाली क्रिया, विशेषण शब्द, वाक्य-प्रयोग तथा व्यवहार के द्वारा की जा सकती है।

4. नित्य पुल्लिंग और नित्य स्त्रीलिंग शब्दों के लिंग परिवर्तन के लिए इनसे पहले 'नर' या 'मादा' लगा दिया जाता है; जैसे– नर खरगोश, मादा खरगोश।

5. कुछ पदवाची शब्द पुल्लिंग और स्त्रीलिंग दोनों रूपों में प्रचलित हैं। यदि वे स्त्री के लिए प्रयुक्त हों, तो स्त्रीलिंग कहलाते हैं तथा पुरुष के लिए प्रयुक्त हों, तो पुल्लिंग कहलाते हैं; जैसे– डॉक्टर, ड्राइवर, इंजीनियर, राजदूत, मंत्री, प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, मैनेजर, प्रोफ़ेसर, सचिव, सभापति, निदेशक आदि।

ग. नित्य पुल्लिंग और नित्य स्त्रीलिंग शब्दों के पाँच-पाँच उदाहरण लिखिए–

1. नित्य पुल्लिंग – **चीता खरगोश भेड़िया मच्छर तोता**
2. नित्य स्त्रीलिंग – **मछली मना तितली चील लोमड़ी**

घ. रंगीन शब्दों के लिंग बदलकर वाक्य पुनः लिखिए–

1. हाथी जंगल में घूम रहा है।
2. बंदर पेड़ पर उछल रहा है।
3. कवयित्री ने बहुत अच्छी कविता लिखी।
4. सेठानी ने नौकरानी को बुलाया।
4. गृहस्वामिनी अंदर गईं।

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

वचन

क. निम्नलिखित वाक्यों की पूर्ति हेतु सही बहुवचन शब्द के सामने सही (3) का निशान लगाइए–

1. सब बच्चे **पंक्तियों** में खड़े हो गए।
   (अ) पंक्तियाँ ☐ (ब) पंक्तियों ☒ (स) पंक्तियें ☐ (द) पंक्तिएँ ☐
2. इन **सीढ़ियों** पर चढ़ना कठिन है।
   (अ) सीढ़ी ☐ (ब) सीढ़ियाँ ☐ (स) सीढ़ियें ☒ (द) सीढ़ीयाँ ☐
3. बंदर ने **चिड़ियाँ** के घोंसले तोड़ दिए।
   (अ) चिड़िया ☐ (ब) चिड़ियाँ ☒ (स) चिड़ियें ☐ (द) चिड़ियों ☐
4. सुधा ने पुष्प **मालाओं** से रंगमंच सजाया।
   (अ) मालाओं ☒ (ब) मालाँ ☐ (स) मालाएँ ☐ (द) मालें ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. शब्द के जिस रूप से उसके संख्या में एक या अनेक होने का बोध हो, उसे वचन कहते हैं। जैसे– चिड़िया– एकवचन, चिड़ियाँ– बहुवचन।
2. हिंदी में वचन के दो भेद होते हैं– एकवचन और बहुवचन।
   1. **एकवचन–** शब्द के जिस रूप से उसके संख्या में एक होने का बोध हो, उसे एकवचन कहते हैं; जैसे– कलम, माला, पुस्तक, साड़ी आदि।
   2. **बहुवचन–** शब्द के जिस रूप से उसके संख्या में एक से अधिक होने का बोध हो, उसे बहुवचन कहते हैं; जैसे– कलमें, मालाएँ, पुस्तकें, साड़ियाँ आदि।

3. एकवचन के लिए बहुवचन का प्रयोग सम्मान या आदर भाव देने के लिए किया जाता है; जैसे–

• पिताजी बाहर बैठे हैं। • नेहरु जी भारत के प्रथम प्रधानमंत्री थे।

ग. निम्नलिखित वाक्यों में रंगीन छपे शब्दों के वचन सामने लिखिए–

1. बहुवचन 2. बहुवचन 3. एकवचन

घ. रंगीन शब्दों के वचन बदलकर वाक्य पुनः लिखिए–

1. पेड़ पर लताएँ लिपटी हैं।
2. चौराहे पर महिलाएँ मोर्चा निकालेंगी।
3. रेणु अपनी सखियों के साथ थी।

स्वयं करें।

कारक

क. रंगीन पदों के सही कारक के सामने सही (३) का निशान लगाइए–

1. पिताजी बाज़ार से फल लाए।
   - (अ) कर्ता कारक ☐ (ब) करण कारक ☐
   - (स) अपादान कारक ☒3 (द) अधिकरण कारक ☐
2. बच्चे के लिए दूध लाओ।
   - (अ) संप्रदान कारक ☒3 (ब) कर्म कारक ☐
   - (स) कर्ता कारक ☐ (द) संबंध कारक ☐
3. हम कार से मथुरा गए।
   - (अ) कर्ता कारक ☐ (ब) कर्म कारक ☐
   - (स) अपादान ☐ (द) करण कारक ☒3
4. मनोज का भाई मेरा मित्र है।
   - (अ) संप्रदान कारक ☐ (ब) संबंध कारक ☒3
   - (स) कर्म कारक ☐ (द) करण कारक ☐
5. चिड़िया पेड़ पर बैठी है।
   - (अ) अपादान कारक ☐ (ब) करण कारक ☐
   - (स) अधिकरण कारक ☒3 (द) कर्म कारक ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसका संबंध क्रिया से जाना जाए, उसे कारक कहते हैं।
2. हिन्दी में मुख्य रूप से आठ प्रकार के कारक होते हैं।
3. कारकों का रूप प्रकट करने के लिए जिन शब्द-चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें विभक्ति या कारक चिह्न कहते हैं। विभक्तियों को परसर्ग भी कहते हैं।

4. **कर्म कारक–** क्रिया का प्रभाव या फल जिस संज्ञा या सर्वनाम पर पड़ता है, उसे कर्म कारक कहते हैं। इसकी विभक्ति 'को' है।

कर्म का प्रयोग दो प्रकार से होता है–

(क) परसर्ग सहित – अंजलि ने मयंक को समझाया।

(ख) परसर्ग रहित – पवन पुस्तक पढ़ता है।

संप्रदान कारक– जिसके लिए क्रिया की जाती है या जिसे कुछ दिया जाता है, उसे संप्रदान कारक कहते हैं। संप्रदान कारक की विभक्तियाँ हैं– के लिए, को, के वास्ते, हेतु आदि; जैसे–

- हम पढ़ने के लिए पुस्तकालय गए।
- माँ ने विनोद को रसगुल्ला दिया।
- धन के वास्ते मनुष्य क्या-क्या नहीं करता।
- आपसे मिलने हेतु ही हम यहाँ आए हैं।

ग. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विभक्ति लिखिए तथा कारक का नाम लिखिए–

1. गाय मैदान **में** चरती है। **अधिकरण कारक**
2. माता जी चाकू **से** आलू छील रही हैं। **करण कारक**
3. लाल कपड़े **से** गुड़िया का लहँगा बनेगा। **करण कारक**
4. यह कमीज रेणू **ने** खरीदी है। **कर्ता कारक**
5. मुझे तुम **पर** विश्वास नहीं है। **अधिकरण कारक**

घ. निर्देशानुसार वाक्य बनाइए–

1. अर्जुन ने खाना खा लिया है।
2. अरुण को नागपुर जाना है।
3. वरुण को क्रिकेट खेलना पसंद है।
4. कुलदीप लिखता है।
5. वृक्ष से पत्ते गिरते हैं।

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

9. सर्वनाम

क. रिक्त स्थानों की पूर्ति हेतु सही विकल्प के सामने सही (3) का निशान लगाइए–

1. लगता है बाहर **कोई** खड़ा है। (अनिश्चयवाचक सर्वनाम)

   (अ) कौन ☐ (ब) कोई ☒ (स) किसे ☐ (द) कुछ ☐

2. मैं अपनी चिंता **खुद** कर लूँगा। (निजवाचक सर्वनाम से)

   (अ) खुद ☒ (ब) वह ☐ (स) वे ☐ (द) कोई ☐

3. **आपका** पत्र पढ़कर बड़ी प्रसन्नता हुई। (मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम)

   (अ) उसका ☐ (ब) मेरा ☐ (स) आपका ☒ (द) मुझे ☐

4. **यह** मेरी बहन सुधा है। (निश्चयवाचक सर्वनाम)

   (अ) इसे ☐ (ब) उसकी ☐ (स) उसे ☐ (द) यह ☒

5. तुम्हारे हाथ में **क्या** है? (प्रश्नवाचक सर्वनाम)

(अ) किसे ☐ (ब) क्या ☒ (स) कौन ☐ (द) कहाँ ☐

6. **हम** आज आगरा जाएँगे। (उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम)

(अ) मैं ☐ (ब) मैंने ☐ (स) हम ☒ (द) हमने ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. संज्ञा शब्दों के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं; जैसे– यह, तुम, आप, हम आदि।
2. हिंदी में सर्वनाम के छह भेद होते हैं–

   1. पुरुषवाचक सर्वनाम 2. निश्चयवाचक सर्वनाम 3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम
   4. प्रश्नवाचक सर्वनाम 5. संबंधवाचक सर्वनाम 6. निजवाचक सर्वनाम
3. पुरुषवाचक सर्वनाम तीन प्रकार के होते हैं–

   1. उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम 2. मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम 3. अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम
4. 'तू' का प्रयोग आजकल नहीं किया जाता। केवल भगवान के लिए अथवा बहुत अधिक प्रेम या निकटता प्रकट करने के लिए इसका प्रयोग किया जाता है; जैसे–

   • हे भगवान! तू ही मेरा सहारा है।
5. **निश्चयवाचक सर्वनाम–** जिस सर्वनाम से किसी निश्चित व्यक्ति, वस्तु, घटना आदि का बोध हो, उसे निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे–

   • जो लड़का सामने खड़ा है वह मेरा भाई है। • यह दूषित जल है।

   अनिश्चयवाचक सर्वनाम– किसी अनिश्चित व्यक्ति, वस्तु या स्थान के लिए प्रयुक्त होने वाले सर्वनाम शब्द अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहलाते हैं; जैसे–

   • दरवाज़े के पीछे कोई है। • मुझे बाज़ार से कुछ खरीदना है।

ग. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित सर्वनाम शब्दों के भेद का नाम लिखिए–

1. निश्चयवाचक 2. प्रश्नवाचक 3. निजवाचक 4. निश्चयवाचक

घ. रंगीन सर्वनाम शब्दों को शुद्ध करके वाक्य पुनः लिखिए–

1. तू कब आया। 2. किसकी दादी आई थी।
3. वह आ गया। 4. मेरी अँगूठी किसने चुराई है?
4. आप किसी से भी पूछ लीजिए। 6. मुझे आज दिल्ली जाना है।

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

10. विशेषण

क. सही उत्तर पर (३) का निशान लगाइए–

1. इनमें से कौन-सा शब्द विशेषण नहीं है?

(अ) पथरीला ☐ (ब) कष्ट ☐ (स) पूर्वी ☒ (द) थोड़ा ☐

2. इनमें से कौन-सा उदाहरण निश्चित संख्यावाचक विशेषण का है?

(अ) दो मीटर कपड़ा ☐ (ब) कुछ दूध ☐

(स) कुछ बच्चे ☐ (द) दस बच्चे ☒3

3. इनमें से कौन-सा उदाहरण निश्चित परिमाणवाचक विशेषण का है?

(अ) दो लीटर दूध ☒3 (ब) तीसरी मंज़िल ☐

(स) चौथा मकान ☐ (द) प्रत्येक व्यक्ति ☐

4. इनमें से कौन-सा शब्द गुणवाचक विशेषण है?

(अ) कुछ ☐ (ब) साहसी ☒3 (स) थोड़ा ☐ (द) बहुत ☐

5. इनमें से कौन-सा उदाहरण अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण का है?

(अ) चार दर्जन केले ☐ (ब) चार पुस्तकें ☐

(स) कुछ पुस्तकें ☒3 (द) तीन पेंसिलें ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं।
2. **संख्यावाचक विशेषण–** जो विशेषण पद विशेष्य की संख्या संबंधी विशेषता का बोध कराते हैं, उन्हें संख्यावाचक विशेषण कहते हैं; जैसे–
   - थोड़े लड़के गाएँगे।
   - पाँचवा मकान नहीं टूटेगा।

   अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण– जो विशेषण विशेष्य की अनिश्चित मात्रा का बोध कराएँ, वे अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण कहलाते हैं; जैसे– ढेर सारा अनाज, बहुत पैसा, कुछ धन, थोड़ी-सी रबड़ी, कई टन बोझ आदि।
3. विशेषण शब्द जिन संज्ञा या सर्वनाम पदों की विशेषता बताते हैं, वे विशेष्य कहलाते हैं; जैसे–
   - कपिल ने लाल शर्ट खरीदी
   - नितिन की गाड़ी काले रंग की है।
4. **सर्वनाम और सार्वनामिक विशेषण में अंतर–** सर्वनाम शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होते हैं, तो सर्वनाम कहलाते हैं और यदि संज्ञा के साथ लगकर उसकी ओर संकेत करते हैं, तो सार्वनामिक विशेषण कहलाते हैं; जैसे–
   - वह बहुत तेज़ दौड़ता है। (सर्वनाम)
   - वह लड़का बहुत तेज़ दौड़ता है। (सार्वनामिक विशेषण)
5. जो शब्द विशेषण शब्दों की विशेषता बताते हैं, उन्हें प्रविशेषण कहते हैं; जैसे–
   - अनुज बहुत सुन्दर लड़का है।

ग. उपयुक्त विशेषण भरकर रिक्त स्थान पूरे कीजिए–

1. बाजार जाकर **ताजी** सब्जी खरीद लाओ।
2. **ईमानदार** आदमी ने रुपये लौटा दिए।
3. वह लड़की बहुत **कंजूस** है।
4. उसने पार्टी में शामिल होने के लिए **शानदार** पोशाक खरीदी।
5. मैं सोते समय **एक गिलास** दूध अवश्य पीता हूँ।

घ. निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण पद छाँटकर उसकी तीनों अवस्थाएँ लिखिए–

	वाक्य	मूलावस्था	उत्तरावस्था	उत्तमावस्था
1.	आरजू श्रेष्ठ छात्रा है।	**श्रेष्ठ**	**श्रेष्ठतर**	**श्रेष्ठतम**
2.	हम उच्च शिखर पर पहुँचे।	**उच्च**	**उच्चतर**	**उच्चतम**
3.	यह न्यून पारिश्रमिक है।	**न्यून**	**न्यूनतर**	**न्यूनतम**
4.	यह प्रश्न तो बहुत कठिन है।	**कठिन**	**कठिनतर**	**कठिनतम**
5.	नदी की धारा तीव्र है।	**तीव्र**	**तीव्रतर**	**तीव्रतम**

ङ. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त विशेषण पदों को रेखांकित करके उनके भेद का नाम लिखिए–

1.	पिताजी चार दर्जन केले लाए।	**निश्चित संख्यावाचक**
2.	माँ ने स्वादिष्ट पकौड़ी बनाई।	**गुणवाचक विशेषण**
3.	हमने गाड़ी में बीस लीटर पेट्रोल डलवाया।	**निश्चित परिमाणवाचक**
4.	यह गाड़ी मेरे ताऊ जी की है।	**सार्वनामिक विशेषण**
5.	कुछ बच्चे बाहर शोर मचा रहे हैं।	**अनिश्चित संख्यावाचक**

च. निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण और प्रविशेषण छाँटिए–

	वाक्य	विशेषण	प्रविशेषण
1.	वह निरा मूर्ख लड़का है।	**मूर्ख**	**निरा**
2.	आसमान बिलकुल साफ़ है।	**साफ**	**बिल्कुल**
3.	वह जंगल अत्यंत डरावना था।	**जंगल**	**अत्यंत**
4.	वह बड़ा होशियार बालक है।	**होशियार**	बड़ी
5.	मैं उपहार पाकर बहुत खुश था।	**उपहार**	**बड़ा खुश**

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

11. क्रिया

क. सही उत्तर पर (3) का चिह्न लगाइए–

1. इनमें से कौन-सा शब्द क्रिया है?
   (अ) झूठ ☐ (ब) हँसना ☒3 (स) हाथ ☐ (द) लाज ☐
2. इनमें से कौन-सी क्रिया नहीं है?
   (अ) अपना ☒3 (ब) सोना ☐ (स) रोना ☐ (द) जाना ☐
3. इनमें से कौन-सी सामान्य क्रिया नहीं है?
   (अ) खेला ☐ (ब) पढ़ी ☐ (स) खाया ☐ (द) पढ़ लिया ☒3

4. इनमें से कौन-सी नामधातु क्रिया है?
(अ) सोना ☐ (ब) उठवाना ☐ (स) बतियाना 3 (द) दिखवाना ☐

5. इनमें से कौन-सी संयुक्त क्रिया नहीं है?
(अ) उठकर 3 (ब) आ गई ☐ (स) पढ़ लिया ☐ (द) उठ गया ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. किसी काम के करने, होने अथवा अवस्था या स्थिति का बोध कराने वाले शब्दों को क्रिया कहते हैं। जैसे– वर्षा हो रही है, सुमित पाठशाला जा रहा है।
2. कर्म के आधार पर क्रिया के भेद– कर्म के आधार पर क्रिया के दो भेद होते हैं–
   1. **अकर्मक क्रिया–** अकर्मक का अर्थ है– बिना कर्म का।
      वाक्य में जो क्रिया कर्म की अपेक्षा नहीं रखती, वह अकर्मक क्रिया कहलाती है; जैसे–
      • नेहा हँसती है। • कोयल कूकती है।
   2. **सकर्मक क्रिया–** सकर्मक का अर्थ है– कर्म के साथ।
      वाक्य में जो क्रिया कर्म की अपेक्षा रखती है, वह सकर्मक क्रिया कहलाती है; जैसे–
      • हमने आज डोसा खाया। • माँ ने वरुण को बुलाया।
3. **प्रयोग अथवा संरचना के आधार पर क्रिया के भेद–** संरचना के आधार पर क्रिया के छह भेद हैं–
   • सामान्य क्रिया • संयुक्त क्रिया • नामधातु क्रिया
   • प्रेरणार्थक क्रिया • पूर्वकालिक क्रिया • समस्त क्रिया

ग. निम्नलिखित वाक्यों से क्रिया पद छाँटकर उचित स्थान पर लिखिए–

	वाक्य	अकर्मक	सकर्मक
1.	अदिति ने गाना गाया।		**गाना गाया**
2.	बच्चे खेल रहे हैं।	**खेल रहे हैं**	
3.	उसका भाई एक साइकिल लाया।		**साइकिल लाया**
4.	मैं वहाँ रहता हूँ।		**वहाँ रहता हूँ**

घ. निम्नलिखित क्रिया पदों का अकर्मक और सकर्मक क्रिया रूपों में प्रयोग कीजिए–

	क्रिया पद	अकर्मक रूप में	सकर्मक रूप में
1.	बोलना	**वह सामने बोल रहा है।**	**उसने अच्छा भाषण बोला।**
2.	सुनना	**वह गाना सुन रहा है।**	**उसने गाना सुनाया।**
3.	पढ़ना	**वह पढ़ रहा है।**	**वह पुस्तक पढ़ रहा है।**
4.	देखना	**वह देख रहा है।**	**वह मेला देख रहा है।**

ङ. निम्नलिखित क्रियाओं के प्रथम प्रेरणार्थक तथा द्वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए–

	क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक	द्वितीय प्रेरणार्थक
1.	सुनना	**सुनाना**	**सुनवाना**

2.	पढ़ना	**पढ़ाना**	**पढ़वाना**
3.	लिखना	**लिखाना**	**लिखवाना**
4.	देखना	**दिखाना**	**दिखवाना**

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

12. काल

क. दिए गए वाक्य काल के कौन-से रूप हैं? सही विकल्प के सामने सही (3) का चिह्न लगाइए–

1. तुम्हारी बहन क्या कर रही थी?
   (अ) पूर्ण भूत काल ☐ (ब) अपूर्ण भूत काल [3]
   (स) आसन्न भूत काल ☐ (द) संदिग्ध भूत काल ☐
2. निशा आती ही होगी।
   (अ) संभाव्य भविष्यत् काल [3] (ब) संदिग्ध वर्तमान काल ☐
   (स) संदिग्ध भूत काल ☐ (द) सामान्य भविष्यत् काल ☐
3. हम परसों गाजियाबाद चले जाएँगे।
   (अ) सामान्य भूत काल ☐ (ब) संदिग्ध भूत काल ☐
   (स) सामान्य भविष्यत् काल [3] (द) पूर्ण भूत काल ☐
4. वह खेलकर चला गया था।
   (अ) अपूर्ण वर्तमान काल ☐ (ब) अपूर्ण भूत काल ☐
   (स) आसन्न भूत काल ☐ (द) पूर्ण भूत काल [3]
5. शायद आज वर्षा हो।
   (अ) संभाव्य भविष्यत् काल [3] (ब) पूर्ण भूत काल ☐
   (स) सामान्य भविष्यत् काल ☐ (द) संदिग्ध भूत काल ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. क्रिया के जिस रूप से कार्य के करने या होने के समय (काल) का बोध हो, उसे काल कहते हैं।
2. काल के तीन भेद होते हैं–
   1. भूतकाल 2. वर्तमान काल 3. भविष्यत् काल
3. अपूर्ण भूतकाल के दो उदाहरण निम्न हैं–
   1. बच्चे खेल रहे थे। 2. श्वेता सो रही थी।
4. संदिग्ध वर्तमान काल के दो उदाहरण निम्न हैं–
   1. नितिन चित्र बना रहा होगा। 2. मसूरी में बहुत ठंड पड़ रही होगी।
5. क्रिया के जिस रूप से भविष्यत् काल में कार्य करने या होने में संदेह का बोध हो, उसे संभाव्य भविष्यत् काल कहते हैं; जैसे–
   - शायद आज वर्षा हो।
   - हो सकता है, वह कल आए।

ग. निम्नलिखित वाक्यों में क्रियाओं के उचित रूप भरिए–

1. यदि गाड़ी समय पर **आयी** तो हम समय पर **पहुँचेंगे**।
2. गुरु जी ने शिष्य से **पूछा** कि तुमने कितने प्रश्नों के उत्तर **याद किए**।
3. मेरी माता जी बहुत अच्छी खीर **बनाती हैं** यदि तुम्हें **खानी हो** तो तुम भी हमारे घर **आ जाना**।
4. अमन ने पूछताछ विभाग से **पूछा** कि आगरा जाने वाली गाड़ी कौन-से प्लेटफार्म से **जाएगी**।

घ. निर्देशानुसार काल बदलकर वाक्य पुनः लिखिए–

1. घोड़े दौड़ रहे थे। **घोड़े दौड़ रहे हैं।**
2. वर्षा हो रही है। **शायद वर्षा हो जाए।**
3. हम समय पर उठते हैं। **हम समय पर उठे थे।**
4. बच्चे उद्यान में खेलने गए। **बच्चे उद्यान में खेलने जाएँगे।**

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

13. वाच्य

क. दिए गए वाक्य किस वाच्य में हैं? सही विकल्प के सामने सही (३) का चिह्न लगाइए–

1. रोगी से बैठा नहीं जाता।
   (अ) कर्तृवाच्य ☐ (ब) भाववाच्य ☒ (स) कर्मवाच्य ☐
2. मैं यह काम नहीं कर सकता।
   (अ) कर्तृवाच्य ☒ (ब) कर्मवाच्य ☐ (स) भाववाच्य ☐
3. हम सब कल घूमने आगरा जाएँगे।
   (अ) भाववाच्य ☐ (ब) कर्तृवाच्य ☒ (स) कर्मवाच्य ☐
4. बारिश हो रही है।
   (अ) कर्मवाच्य ☐ (ब) भाववाच्य ☐ (स) कर्तृवाच्य ☒
5. अब थोड़ा आराम किया जाए।
   (अ) कर्तृवाच्य ☐ (ब) भाववाच्य ☐ (स) कर्मवाच्य ☒

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. क्रिया के जिस रूप से यह ज्ञात हो कि उसके लिंग तथा वचन का प्रयोग कर्ता, कर्म या भाव से किसके अनुसार है, उसे वाच्य कहते हैं।
   वाच्य के तीन भेद होते हैं–
   1. **कर्तृवाच्य–** जिस वाक्य में क्रिया का केंद्रबिंदु कर्ता होता है, उसे कर्तृवाच्य कहते हैं; जैसे–
      - आदित्य साइकिल चला रहा है।
      - मंजू पत्र लिख रही है।

2. **कर्मवाच्य–** जिस वाक्य में क्रिया का केंद्रबिंदु कर्म हो, उसे कर्मवाच्य कहते हैं; जैसे–
   - मुझसे यह कहानी नहीं पढ़ी जाएगी।
   - दुकानदारों के द्वारा छूट पर सामान बेचा गया।
3. **भाववाच्य–** क्रिया के जिस रूप से यह बोध हो कि क्रिया का संबंध कर्ता या कर्म से न होकर क्रिया-भाव से है, उसे भाववाच्य कहते हैं; जैसे–
   - उससे भागा नहीं जाता।
   - तोते से उड़ा नहीं गया।

3. कर्तृवाच्य से कर्मवाच्य बनाना
   1. ध्यान रहे कि केवल सकर्मक क्रिया को ही कर्तृवाच्य से कर्मवाच्य में बदला जा सकता है। ऐसा करते समय उसके कर्ता को करण में बदल दिया जाता है अर्थात् कर्ता के साथ 'से', 'द्वारा' या 'के द्वारा' लगा दिया जाता है।
   2. कर्तृवाच्य की क्रिया को सामान्य भूत काल में बदला जाता है तथा क्रिया के साथ 'जाना' क्रिया का रूप जोड़ा जाता है, परंतु क्रिया के काल में परिवर्तन नहीं होता; जैसे–

कर्तृवाच्य	**कर्मवाच्य**
• लोगों ने चोर को पकड़ लिया।	• लोगों के द्वारा चोर पकड़ा गया।
• रमेश ने कॉफी पी।	• रमेश के द्वारा कॉफी पी गई।

4. भाववाच्य से कर्तृवाच्य बनाना
   1. 'से', 'द्वारा' तथा 'के द्वारा' परसर्ग हटा दिए जाते हैं।
   2. क्रिया के लिंग, वचन और पुरुष कर्ता के अनुसार बदल दिए जाते हैं; जैसे–

भाववाच्य	**कर्तृवाच्य**
• रोगी से बैठा नहीं जाता।	• रोगी बैठ नहीं सकता।
• तुम्हारे द्वारा चुप रहा जाएगा।	• तुम चुप रहो।

5. जहाँ क्रिया का संबंध कर्ता या कर्म से न होकर क्रिया-भाव से हो वहाँ भाववाच्य का प्रयोग होता है।

ग. निम्नलिखित वाक्यों को कर्मवाच्य में बदलकर पुनः लिखिए–

1. दरजी द्वारा कपड़े सिले गए।
2. धोबी द्वारा कपड़े धोए गए।
3. आपके साथ मेरे द्वारा मथुरा जाया जाएगा।
4. नीरज के द्वारा नया कोट लाया गया।
5. मेरे भाई द्वारा तीन कमीजें लाई गईं।
6. उसके द्वारा मेरे लिए उपहार लाया गया।

घ. दिए गए वाक्यों को कर्तृवाच्य में बदलकर पुनः लिखिए–

1. शिक्षकों ने नया विषय पढ़ाया।
2. दादी ने बहुत अच्छी कहानी सुनाई।
3. इस कमरे को अच्छे से साफ किया जाए।
4. आपने यह बहुत अच्छा कार्य किया।
5. मुझसे अब पढ़ा नहीं जा रहा है।

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

14. अव्यय या अविकारी शब्द

1. क्रिया विशेषण

क. वाक्य पूर्ति के लिए सही विकल्प के सामने सही (3) का चिह्न लगाइए–

1. गिरते ही बच्चा **ज़ोर से** चिल्ला उठा।

   (अ) अब ☐ (ब) ज़ोर से ☒3 (स) नहीं ☐ (द) वहाँ ☐

2. वह आज **अवश्य** आएगा।

   (अ) अवश्य ☒3 (ब) निरंतर ☐ (स) प्रतिदिन ☐ (द) रोज़ ☐

3. अच्छे स्वास्थ्य के लिए **प्रतिदिन** घूमना चाहिए।

   (अ) परसों ☐ (ब) कल ☐ (स) प्रतिदिन ☒3 (द)आज ☐

4. **उतना** खाओ, जितना पचा सको।

   (अ) उतना ☒3 (ब) इधर ☐ (स) उधर ☐ (द) सहसा ☐

5. वे **अचानक** उठकर चले गए।

   (अ) अब ☐ (ब) अचानक ☒3 (स) कल ☐ (द) दूर-दूर ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. जिन शब्दों में लिंग, वचन, पुरुष, काल आदि के कारण कोई विकार या परिवर्तन न आए, उन्हें अव्यय या अविकारी शब्द कहते हैं।
2. अव्यय शब्द पाँच प्रकार के होते हैं–
   1. क्रियाविशेषण 2. संबंधबोधक 3.समुच्चयबोधक
   4. विस्मयादिबोधक 5. निपात
3. क्रिया की विशेषता बताने वाले पद क्रियाविशेषण कहलाते हैं।

   कब, कहाँ, कैसे, कितना आदि प्रश्न करने पर जो उत्तर मिलते हैं, उन्हें क्रियाविशेषण कहते हैं; जैसे–

   - कब पढ़ोगे? – आज, कल, परसों, अभी, सदा आदि।
   - कहाँ पढ़ोगे? – यहाँ, वहाँ, अंदर, बाहर, ऊपर, नीचे आदि।
   - कैसे पढ़ोगे? – ध्यानपूर्वक, तेज़ी से, धीरे-धीरे, जल्दी-जल्दी आदि।
   - कितना पढ़ोगे? – थोड़ा, बहुत, कम, पर्याप्त, यथाशक्ति आदि।
4. क्रियाविशेषण चार प्रकार के होते हैं–
   1. कालवाचक क्रियाविशेषण 2. स्थानवाचक क्रियाविशेषण
   3. रीतिवाचक क्रियाविशेषण 4. परिमाणवाचक क्रियाविशेषण

ग. दिए गए वाक्यों में रंगीन पद विशेषण है या क्रियाविशेषण? वाक्य के सामने लिखिए–

1. विशेषण 2. क्रियाविशेषण
3. विशेषण 4. क्रियाविशेषण
5. परिमाणवाचक क्रियाविशेषण

घ. निम्नलिखित शब्दों का क्रियाविशेषण के रूप में वाक्य-प्रयोग कीजिए–

1. वह थोड़ा-थोड़ा खाता है।
2. मकुल धीरे-धीरे चलता है।
3. आजकल मँहगाई बढ़ गई है।
4. सहसा हवा चलने लगी।
5. ऊपर छत पर पक्षी बैठे हैं।

स्वयं करें।

2. संबंधबोधक

क. सही संबंधबोधक के सामने सही (3) का चिह्न लगाइए–

1. परिश्रम **के बिना** सफलता नहीं मिलती।
   (अ) के साथ ☐ (ब) के संग ☐ (स) के बिना [3] (द) के बीच ☐
2. कोई भी कर्मचारी मैनेजर **के सामने** बोलने की हिम्मत नहीं करता।
   (अ) के सामने [3] (ब) के पीछे ☐ (स) के द्वारा ☐ (द) के सहारे ☐
3. समीर **के सिवाय** कोई और इस काम को नहीं कर सकता।
   (अ) के साथ ☐ (ब) के नाम ☐ (स) के लगभग ☐ (द) के सिवाय [3]
4. लोगों ने महँगाई **के खिलाफ़** प्रदर्शन किया।
   (अ) के साथ ☐ (ब) के खिलाफ़ [3] (स) के ज़रिए ☐ (द) के बीच ☐
5. जंगल **की तरफ़** मत जाना, वहाँ खतरा है।
   (अ) के समान ☐ (ब) के अनुसार ☐ (स) की तरफ़ [3] (द) के संग ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम पदों के साथ आकर उनका संबंध वाक्य में प्रयुक्त अन्य पदों के साथ बताते हैं, वे संबंधबोधक कहलाते हैं।
   - देर तक पढ़ाई करने के कारण वह देर से सोया।
   - बबीता की तुलना में अंजलि अधिक होशियार है।
2. **संबंधबोधक के भेद–** अर्थ के आधार पर संबंधबोधक चार प्रकार के होते हैं–
   1. सादृशवाचक – की तरह, के समान, के तुल्य।
   2. कारणवाचक – के कारण, के मारे, की वजह।
   3. उद्देश्यवाचक – के अर्थ, के लिए, के उद्देश्य से।
   4. व्यतिरेकवाचक – के बिना, के बगैर, के अतिरिक्त
3. **क्रियाविशेषण और संबंधबोधक में अंतर–**

   स्थानवाचक अथवा कालवाचक क्रियाविशेषणों तथा संबंधबोधक अव्ययों में कभी-कभी भ्रम की स्थिति बन जाती है। इसलिए यह ध्यान रखना चाहिए कि संज्ञा, सर्वनाम आदि के पीछे जुड़कर वाक्य में स्थित अन्य शब्दों से संबंध स्थापित करने वाले संबंधबोधक कहलाते हैं तथा क्रिया की विशेषता बताने वाले पद क्रियाविशेषण कहलाते हैं; जैसे–

- विद्यालय के आगे अस्पताल है। (संबंधबोधक)
- रमन आगे बैठा है। (क्रियाविशेषण)
- घर के सामने पेड़ है। (संबंधबोधक)
- सामने देखकर चलो। (क्रियाविशेषण)

ग. दिए गए वाक्यों में से संबंधबोधक छाँटकर वाक्य के सामने लिखिए–

1. के साथ 2. के आगे 3. के बिना 4. के भीतर 5. के बाद

घ. निम्नलिखित संबंधबोधक शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. राम के द्वारा रावण का वध हुआ।
2. नितिन विवेक के समान बुद्धिमान है।
3. वरूण, मुकेश के साथ दिल्ली जाएगा।
4. अस्वस्थ होने के कारण वह नहीं आ सका।
5. अध्यापक पढ़ाई के विषय में तुमसे कल बात करेंगे।

स्वयं करें।

3. समुच्चयबोधक

क. सही समुच्चय बोधक के सामने सही पर (3) का चिह्न लगाइए–

1. वह आज नहीं आ सकेगा **क्योंकि** वह बीमार है।
   (अ) इसलिए ☐ (ब) और ☐ (स) क्योंकि ☒ (द) या ☐
2. उसने मेहनत तो की थी **परंतु** पास नहीं हो सका।
   (अ) परंतु ☒ (ब) या ☐ (स) जिससे ☐ (द) क्योंकि ☐
3. परिश्रम करो **अन्यथा** फेल हो जाओगे।
   (अ) या ☐ (ब) क्योंकि ☐ (स) तथा ☐ (द) अन्यथा ☒
4. वह सो गया **ताकि** थकावट दूर हो सके।
   (अ) इसलिए ☐ (ब) ताकि ☒ (स) क्योंकि ☐ (द) मगर ☐
5. ऐसा लग रहा है **मानो** बादल छा गए हैं।
   (अ) जिससे ☐ (ब) ताकि ☐ (स) और ☐ (द) मानो ☒

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. दो शब्दों, दो वाक्यांशों अथवा उपवाक्यों तथा दो वाक्यों को परस्पर जोड़ने वाले अव्यय शब्द समुच्चयबोधक अथवा योजक कहलाते हैं।
2. समुच्चयबोधक दो प्रकार के होते हैं–
   1. समानाधिकरण समुच्चयबोधक– ये चार प्रकार के होते हैं–
   (क) संयोजक (ख) विरोधक (ग) विकल्पक (घ) परिणामदर्शक
   2. व्यधिकरण समुच्चयबोधक– ये भी चार प्रकार के होते हैं–
   (क) कारण बोधक (ख) संकेत बोधक (ग) स्वरूप बोधक (घ) उद्देश्य बोधक

ग. निम्नलिखित समुच्चयबोधक अव्ययों का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाइए–

1. वह चल नहीं सकता क्योंकि उसके पैर में चोट लगी है।
2. वह बहुत सोता है इसलिए आलसी है।
3. यदि आप वहाँ नहीं गए तो देर हो जाएगी।
4. मन लगाकर पढ़ाई करो अन्यथा फेल हो जाओगे।
5. या तो कार्य करो अथवा आराम करो।

घ. उचित योजक शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए–

1. वह बहुत खाता है **इसलिए** बहुत मोटा है।
2. आप मेरे साथ चलिए **क्योंकि** आप अस्वस्थ हैं।
3. हमें अपनी सभ्यता **और** संस्कृति पर गर्व है।
4. **यदि** तुम मेरे साथ चलोगे **तो** मुझे बहुत अच्छा लगेगा।
5. प्रधानाचार्य ने कहा **कि** कल विद्यालय बंद रहेगा।

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

4. विस्मयादिबोधक

क. उचित विस्मयादिबोधक अव्यय के सामने सही (3) का चिह्न लगाइए–

1. **शाबाश**! मुझे तुमसे यही आशा थी।
   (अ) ठीक ☐ (ब) अरे ☐ (स) शाबाश ☒3 (द) ओह ☐
2. **वाह**! कितना मनमोहक दृश्य है।
   (अ) वाह ☒3 (ब) अरे ☐ (स) ओह ☐ (द) अच्छा ☐
3. **अच्छा**! मैं समय पर पहुँच जाऊँगा।
   (अ) अच्छा ☒3 (ब) अरे ☐ (स) ओह ☐ (द) उफ् ☐
4. **उफ्**! तुम्हें तो तेज़ बुखार है।
   (अ) उफ् ☒3 (ब) वाह ☐ (स) शाबाश ☐ (द) धन्य ☐
5. **अरे** ! कितना बड़ा मैदान।
   (अ) आह ☐ (ब) बाप रे ☐ (स) हाय ☐ (द) अरे ☒3

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. हर्ष, शोक, क्रोध, घृणा, आश्चर्य आदि भावों को व्यक्त करने वाले अव्यय शब्द विस्मयादिबोधक कहलाते हैं।
2. विस्मयादिबोध शब्दों की विशेषताएँ निम्न हैं–
   1. ये प्रायः वाक्य के शुरु में लगते हैं।
   2. इनके बाद विस्मयादिबोधक चिह्न (!) लगता है।

ग. दिए गए भावों को व्यक्त करने वाले वाक्य बनाइए–

1. वाह! कितनी सुंदर झील है।
2. उफ! ये क्या हुआ?
3. ओह! तुम्हें तो तेज बुखार है।
4. सावधान! आगे तीव्र मोड़ है।
5. अरे! तुमने तो कमाल कर दिया।

घ. निम्नलिखित वाक्यों में से विस्मयादिबोधक अव्ययों को छाँटिए तथा उनके भेद लिखिए–

1. ओहो! कितनी मक्खियाँ हैं।	**ओहो!**	**आश्चर्यबोधक**
2. हाय! बेचारी की टाँग टूट गई।	**हाय!**	**शोकबोधक**
3. छिः! यहाँ कितनी गंदगी है।	**छिः**	**घृणाबोधक**
4. अरे! तुम्हें क्या हुआ?	**अरे!**	**शोकबोधक**
5. खबरदार! आगे खतरा है।	**खबरदार!**	**चेतावनीबोधक**

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

5. निपात

क. उचित निपात शब्द के सामने सही (३) का चिह्न लगाइए–

1. विनय **केवल** एक रोटी खाता है।
   (अ) भी ☐ (ब) केवल ☒ (स) ना ☐ (द) भर ☐
2. विनायक दो दिन **तक** बीमार रहा।
   (अ) भी ☐ (ब) भर ☐ (स) तक ☒ (द) तो ☐
3. मुझे फ़ीस के लिए **मात्र** 500 रुपए चाहिए।
   (अ) मात्र ☒ (ब) ना ☐ (स) भी ☐ (द) तक ☐
4. चाचा जी बस शहर **तक** गए हैं।
   (अ) भी ☐ (ब) तक ☒ (स) भर ☐ (द) ना ☐
5. हमारे साथ मोहन **भी** बाज़ार गया।
   (अ) ही ☐ (ब) भी ☒ (स) तक ☐ (द) तो ☐

ग. निम्नलिखित निपात शब्दों का अपने बनाए वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. मुझे केवल दस रुपए चाहिए।
2. आप कल ऑफिस तो जाओगे ना।
3. नरेश घर तक गया है।
4. उसे कार्य तो करने दो।
5. वह दिनभर परिश्रम करता रहा।

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

15. वाक्य-विचार

क. अर्थ के आधार पर वाक्य के सही भेद के सामने सही (३) का चिह्न लगाइए–

1. यदि तुम मेहनत करते तो अवश्य पास हो जाते।
   (अ) प्रश्नवाचक ☐ (ब) इच्छावाचक ☐ (स) संकेतवाचक ☑ (द) विधानवाचक ☐
2. हमारी माता जी आज नहीं आएँगी।
   (अ) निषेधवाचक ☑ (ब) प्रश्नवाचक ☐ (स) आज्ञावाचक ☐ (द) इच्छावाचक ☐
3. तुम्हारी बहन कहाँ रहती है?
   (अ) इच्छावाचक ☐ (ब) प्रश्नवाचक ☑ (स) निषेधवाचक ☐ (द) विधानवाचक ☐
4. वाह! क्या छक्का मारा है।
   (अ) विस्मयवाचक ☑ (ब) विधानवाचक ☐
   (स) प्रश्नवाचक ☐ (द) आज्ञावाचक ☐
5. शायद आज वर्षा हो।
   (अ) निषेधवाचक ☐ (ब) संकेतवाचक ☑
   (स) प्रश्नवाचक ☐ (द) संदेहवाचक ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. पदों का वह सार्थक एवं व्यवस्थित समूह, जिससे कोई भाव या विचार पूर्ण रूप से व्यक्त होता हो, वाक्य कहलाता है।
2. वाक्य के दो अंग होते हैं– 1. उद्देश्य 2. विधेय
3. वाक्य में जिसके बारे में कुछ कहा जाए, उसे उद्देश्य कहते हैं; जैसे–विजय मेरे लिए आइसक्रीम लाया।

   इस वाक्य में 'विजय' के बारे में बताया जा रहा है। अतः 'विजय' उद्देश्य है। उद्‌देश्य अकेला भी हो सकता है और एक से अधिक पदों में भी हो सकता है; जैसे– निकीता का बड़ा भाई दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम आया।

   इस वाक्य में मूल उद्देश्य है– निकिता। निकिता (उद्देश्य) का विस्तार है– 'निकिता का बड़ा भाई।'
4. उद्देश्य के बारे में जो कुछ कहा जाए, उसे विधेय कहते हैं; जैसे–

   • रमन खेलेगा। • अजय पूरी तैयारी के साथ परीक्षा देगा।

   पहले वाक्य में रमन (उद्देश्य) के बारे में कहा गया है 'खेलेगा'; अतः यह विधेय है।

   दूसरे वाक्य में अजय (उद्देश्य) के बारे में कहा गया है– 'पूरी तैयारी के साथ परीक्षा देगा।'

   अतः यहाँ यह पूरा वाक्यांश विधेय है।
5. अर्थ के आधार पर वाक्य आठ प्रकार के होते हैं– 1. विधानवाचक, 2. निषेधवाचक, 3. प्रश्नवाचक, 4. संदेहवाचक, 5. संकेतवाचक, 6. इच्छावाचक, 7. आज्ञावाचक तथा 8. विस्मयवाचक।
6. रचना के आधार पर वाक्य तीन प्रकार के होते हैं– 1. सरल, 2. संयुक्त तथा 3. मिश्रित।

ग. निम्नलिखित वाक्यों के उद्देश्य और विधेय अलग-अलग कीजिए–

वाक्य	उद्देश्य	विधेय
1. गीत गाने वाली छात्रा मेरी बहन है।	**छात्रा**	**गाने वाली**
2. बेईमान अधिकारी पकड़ा जाएगा।	**अधिकारी**	**बेईमान**
3. तुम्हारी किताब कहाँ रखी है?	**तुम्हारी**	**किताब**
4. अनिल मित्रों के साथ ताजमहल देखने गया।	**अनिल**	**ताजमहल**
5. मेरा भाई सोहन स्कूल जाता है।	**सोहन**	**भाई**

घ. अर्थ के आधार पर ये वाक्य किस प्रकार के हैं? वाक्य के सामने लिखिए–

1. निषेधवाचक 2. प्रश्नवाचक 3. विस्मयवाचक
4. विधानवाचक 5. इच्छावाचक

ङ. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए–

1. प्रीति आई लेकिन चली गई।
2. जब गुरुजी ने पूछा तो छात्र ने सब सच बता दिया।
3. हमेशा सफल वहीं होते है जो परिश्रमी होते हैं।
4. वह बाजार जाकर पुस्तकें लाया।

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

16. विराम चिह्न

क. रिक्त स्थानों पर आने वाले सही विराम-चिह्न के सामने सही (3) का चिह्न लगाइए–

1. आपको किससे मिलना है **?**
   (अ) , ☐ (ब) ; ☐ (स) ? [3] (द) । ☐
2. ओह **!** तुम्हें तो तेज़ बुख़ार है।
   (अ) ! [3] (ब) । ☐ (स) ? ☐ (द) ; ☐
3. मेरे मामा **-** मामी आज आएँगे।
   (अ) ; ☐ (ब) - [3] (स) :– ☐ (द) () ☐
4. दादा जी घूमने गए हैं **।**
   (अ) ? ☐ (ब) ! ☐ (स) । [3] (द) , ☐
5. मेरे साथ विपिन **,** मयंक और देवांश जाएँगे।
   (अ) ; ☐ (ब) , [3] (स) ! ☐ (द) । ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. भाषा के लिखित रूप में विशेष स्थानों पर रुकने का संकेत करने वाले चिह्नों को विराम-चिह्न कहते हैं।

2. विराम चिह्नों के प्रयोग से सही अर्थ स्पष्ट होकर समझ में आ जाता है।
3. प्रमुख विराम चिन्हों के नाम व चिह्न–
   1. पूर्ण विराम (।)
   2. अल्प विराम (,)
   3. अर्द्ध विराम (;)
   4. प्रश्नवाचक चिह्न (?)
   5. विस्मयादिबोधक चिह्न (!)
   6. योजक चिह्न (-)
   7. निर्देशक चिह्न (–)
   8. उद्धरण चिह्न
   9. कोष्ठक चिह्न (( ), { }, [ ])
   10. हंसपद या त्रुटिपूरक चिह्न (^)
   11. लाघव चिह्न ( )
   12. उपविराम या सांकेतक चिह्न (:)
   13. विवरण चिह्न (:–)
4. **योजक चिह्न (-)–** इसका प्रयोग निम्नलिखित स्थितियों में होता है–
   1. तत्पुरुष तथा द्वंद्व समास के पदों के बीच में; जैसे–
      • गुण-दोष, इधर-उधर, माता-पिता, दिन-रात, ईश्वर-भक्ति, सुख-दुःख
   2. द्वित्व रूपों में; जैसे– • जैसे-जैसे, जाते-जाते, आगे-आगे, साफ़-साफ़, घर-घर
   3. सादृश्यसूचक चिह्न के रूप में; जैसे– • फूल-सा कोमल, दूध-सा सफ़ेद

   निर्देशक चिह्न (–)– निर्देशक चिह्न योजक की अपेक्षा कुछ अधिक लंबी पड़ी लकीर के रूप में होता है। इसका प्रयोग निम्नलिखित स्थितियों में होता है–

   (क) संवादों या वार्तालापों में पात्रों के नामों के बाद; जैसे–
      • राजा– तुम किसका संदेश लाए हो?
      • दूत– जी महाराज, मान सिंह का।

   (ख) किसी के कथन को उद्धृत करने से पहले; जैसे–
      • नेहरू जी ने कहा था– ''आराम हराम है।''

   (ग) किसी पद या वाक्यांश की व्याख्या के लिए; जैसे–
      • दिए गए शब्दों का अर्थ लिखिए–

ग. निम्नलिखित विराम-चिह्नों का वाक्य में प्रयोग करते हुए दो-दो वाक्य बनाइए–

1. – **जीवन में सुख-दुख आते रहते हैं।**
   वह दिन-रात परिश्रम करता है।
2. ? **आप कहाँ जाएँगे?**
   आप कहाँ रहते हैं?

घ. उचित विराम-चिह्न लगाकर दिए गए अनुच्छेद को पुनः लिखिए–

नेहा, पिंकी और आस्था अपनी अध्यापिका के साथ शिमला घूमने गई। वहाँ की ऊँची-नीची बर्फ़ से ढकी पहाड़ियों को देखकर, सब बहुत खुश हुईं। अध्यापिका ने उनसे कहा– ''यहाँ सब साथ रहना बिना पूछे इधर-उधर मत जाना।'' दो दिन घूमकर वे वापस आ गए। वापस आकर उन्होंने अपने दोस्तों को शिमला के बारे में कई बातें बताईं।

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

17. मुहावरे और लोकोक्तियाँ

क. निम्नलिखित वाक्यों की पूर्ति हेतु सही मुहावरे के सामने सही (३) का चिह्न लगाइए–

1. चोर पुलिस की **आँखों में धूल झोंककर** भाग गया।
   (अ) आँखें फोड़ना ☐ (ब) आँखें फेर लेना ☐
   (स) आँखों में धूल झोंकना ☒ (द) आँखें चुराना ☐
2. तुम कितने ही **अक्ल के घोड़े दौड़ाओं** पर इस समस्या का समाधान नहीं होगा।
   (अ) अक्ल का दुश्मन होना ☐ (ब) अक्ल के घोड़े दौड़ाना ☒
   (स) अक्ल पर पत्थर पड़ना ☐ (द) अँधेर मचाना ☐
3. नवयुवकों को खिल्ली उड़ाते देख नेता जी **खून का घूँट पीकर** रह गए।
   (अ) गुड़ गोबर करना ☐ (ब) खून-पसीना एक करना ☐
   (स) आग बबूला होना ☐ (द) खून का घूँट पीना ☒
4. योग्य बच्चे अपने माता-पिता के **गले का हार** होते हैं।
   (अ) बुढ़ापे की लाठी होना ☐ (ब) गले का हार ☒
   (स) ईद का चाँद होना ☐ (द) हाथ-पैर मारना ☐
5. उसे बेतहाशा भागते देखकर मैं समझ गया कि ज़रूर **दाल में कुछ काला** है।
   (अ) नमक-मिर्च लगाना ☐ (ब) हाथ-पाँव फूल जाना ☐
   (स) दाल में काला होना ☒ (द) दाल न गलना ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. जब कोई वाक्यांश अपने साधारण अर्थ को छोड़कर किसी विशेष सांकेतिक अर्थ को प्रकट करे तो वह मुहावरा कहलाता है; जैसे–

मुहावरा	साधारण अर्थ	विशेष या सांकेतिक अर्थ
1. अँगूठा दिखाना	अपने हाथ या पैर का अँगूठा दिखाना	देने से साफ़ मना करना
2. किताबी कीड़ा होना	किताब में लगने वाला कीड़ा हो जाना	हर समय पढ़ते रहना

2. 'लोकोक्ति' शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है– लोक + उक्ति अर्थात् लोक में प्रचलित उक्ति। वह कथन जो लोक अनुभव पर आधारित हो, लोकोक्ति कहलाता है; जैसे–
   'अधजल गगरी छलकत जाए'– इस कथन में यह अनुभव छिपा है कि कम ज्ञान वाले व्यक्ति अधिक दिखावा करते हैं।
3. मुहावरे और लोकोक्तियाँ में अंतर

मुहावरा	लोकोक्ति
1. मुहावरे वाक्यांश होते हैं, इनका वाक्यों के बीच में या अंत में प्रयोग होता है।	1. लोकोक्तियाँ पूर्ण वाक्य होती हैं, इसीलिए ये स्वतंत्र रूप से प्रयोग की जाती हैं।
2. मुहावरे में वाक्य के लिंग व वचन के अनुसार परिवर्तन होता है।	2. लोकोक्तियों में कोई परिवर्तन नहीं होता।

ग. नीचे लिखी लोकोक्तियों के सही अर्थ के सामने सही (3) का निशान लगाइए–

1. साँप भी मर जाए, लाठी भी न टूटे
   - (अ) साँप को सावधानी से पकड़ना ☐
   - (ब) साँप को बिना लाठी मारे मार देना ☐
   - (स) लाठी का प्रयोग सावधानी से करना ☐
   - (द) काम भी बन जाए और हानि भी न हो 3
2. थोथा चना बाजे घना
   - (अ) चने आवाज़ ज़्यादा करते हैं ☐
   - (ब) ओछा व्यक्ति दिखावा अधिक करता है 3
   - (स) थोड़ी चीज़ की आवाज़ अलग होती है ☐
   - (द) थोथे चने बेकार होते हैं ☐
3. ऊँची दुकान फीके पकवान
   - (अ) दिखावा अधिक और वास्तविकता कम 3
   - (ब) ऊँची-सी दुकान पर मिठाई फीकी रखना ☐
   - (स) फीके पकवानों की दुकान होना ☐
   - (द) फीके पकवान बड़ी दुकान पर ही मिलते हैं ☐
4. नाच न जाने आँगन टेढ़ा
   - (अ) नाचने के लिए आँगन अच्छा हो ☐
   - (ब) योग्यता से बढ़कर होना ☐
   - (स) आँगन में नाचना ठीक नहीं ☐
   - (द) स्वयं अयोग्य होना, दोष दूसरों को देना 3
5. आम के आम गुठलियों के दाम
   - (अ) आम के साथ गुठलियाँ भी बेचना ☐
   - (ब) दोहरा लाभ होना 3
   - (स) आम के साथ गुठलियों की कीमत लगाना ☐
   - (द) गुठलियाँ आम का बीज हैं ☐
6. न रहेगा बाँस न बजेगी बाँसुरी
   - (अ) दोष का कारण ही नष्ट कर देना 3
   - (ब) बाँसुरी के लिए बाँस होना ज़रूरी है ☐
   - (स) बाँस के बिना बाँसुरी नहीं हो सकती ☐
   - (द) बिना बाँस के बाँसुरी बनाना ☐

घ. निम्नलिखित मुहावरों तथा मुहावरों तथा लोकोक्तियों का वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए–

1. महेश ने मोहित को कई बार समझाया, लेकिन उसके कान पर जूँ तक नहीं रेंगी।
2. सिपाही ने दरोगा से बदतमीजी करके जल में रहकर मगर से बैर कर लिया है।

3. निर्मला ने बहुत अच्छा खाना बनाया पर घर में उसे प्रशंसा नहीं मिली लेकिन पड़ोसियों ने खाना खाया तो वाह-वाही मिली।
4. दुष्ट व्यक्तियों को दंड की भाषा समझ में आती है।
5. बॉर्डर पर शत्रु का हमला होने के बाद भारतीय सेना ने ईंट का जवाब पत्थर से दिया।
6. सोहन परिवार के साथ मिलकर नहीं रहता हैं। इसे कहते हैं अपनी खिचड़ी अलग पकाना।
7. उस व्यक्ति ने मंच पर आने के बाद तो मानो गागर में सागर ही भर दिया।

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

18. अपठित गद्यांश

स्वयं कीजिए।

19. लिखित अभिव्यक्ति

स्वयं कीजिए।